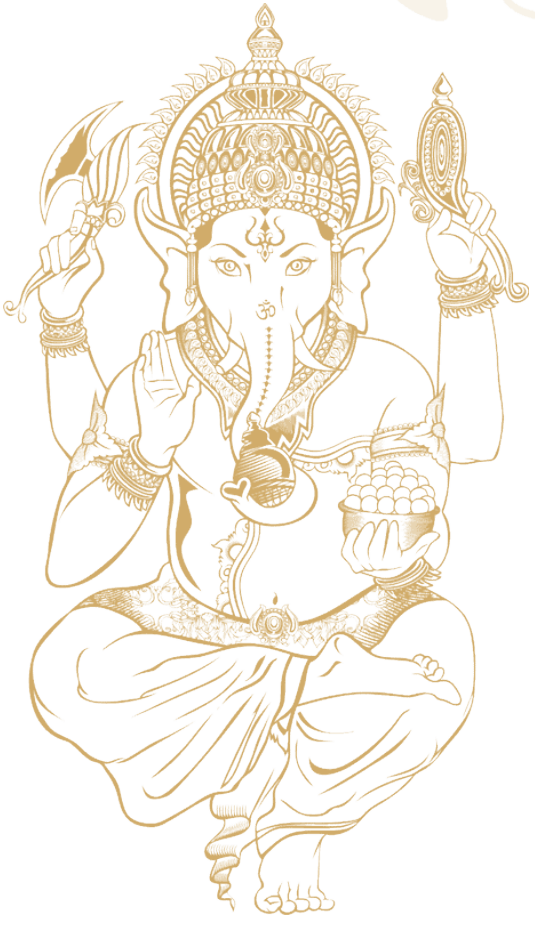

Peehu mishra

19 Jul 2025

11:28 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121064102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/07/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:28:00 घंटे**
इष्ट	14:41:35 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:06:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:21 घंटे
साम्पातिक काल	06:56:01 घंटे
सूर्योदय	05:35:21 घंटे
सूर्यास्त	19:19:06 घंटे
दिनमान	13:43:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	02:37:17 कर्क
लग्न के अंश	18:06:43 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शूल
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	18:06:43	316:53:59	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कर्क	02:37:17	00:57:16	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	18:49:17	14:17:00	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			सिंह	24:19:27	00:36:04	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध	व		कर्क	21:18:56	00:05:08	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	14:42:52	00:13:19	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	22:07:40	01:08:07	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि	व		मीन	07:41:18	00:00:37	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	25:33:03	00:02:17	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	25:33:03	00:02:17	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	06:16:41	00:02:16	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	07:54:21	00:00:27	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	08:30:59	00:01:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	18:40:32	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:53

लग्न-चलित

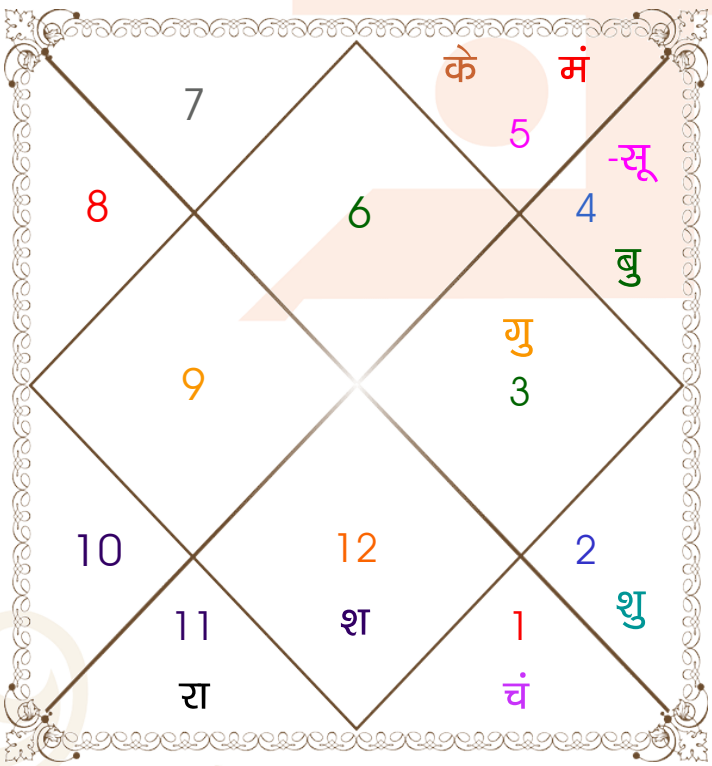

चन्द्र कुंडली

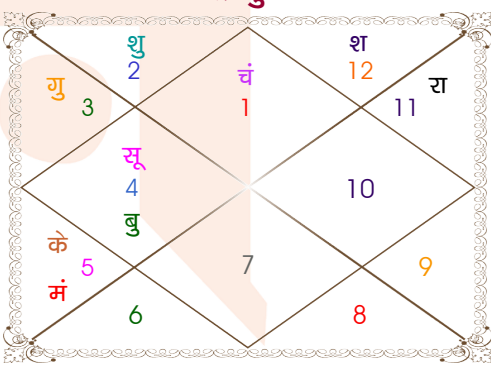

नवमांश कुंडली

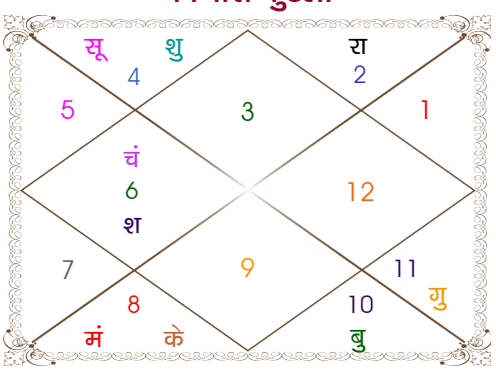

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 9 मास 6 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
19/07/2025		25/04/2037		26/04/2043		25/04/2053		25/04/2060	
25/04/2037		26/04/2043		25/04/2053		25/04/2060		25/04/2078	
	00/00/0000	सूर्य	13/08/2037	चंद्र	24/02/2044	मंगल	21/09/2053	राहु	06/01/2063
	00/00/0000	चंद्र	11/02/2038	मंगल	24/09/2044	राहु	10/10/2054	गुरु	01/06/2065
	00/00/0000	मंगल	19/06/2038	राहु	26/03/2046	गुरु	16/09/2055	शनि	07/04/2068
	19/07/2025	राहु	14/05/2039	गुरु	26/07/2047	शनि	25/10/2056	बुध	25/10/2070
राहु	26/06/2027	गुरु	01/03/2040	शनि	23/02/2049	बुध	22/10/2057	केतु	13/11/2071
गुरु	24/02/2030	शनि	11/02/2041	बुध	26/07/2050	केतु	20/03/2058	शुक्र	12/11/2074
शनि	25/04/2033	बुध	19/12/2041	केतु	24/02/2051	शुक्र	20/05/2059	सूर्य	07/10/2075
बुध	24/02/2036	केतु	25/04/2042	शुक्र	25/10/2052	सूर्य	25/09/2059	चंद्र	07/04/2077
केतु	25/04/2037	शुक्र	26/04/2043	सूर्य	25/04/2053	चंद्र	25/04/2060	मंगल	25/04/2078

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/04/2078		25/04/2094		26/04/2113		26/04/2130		26/04/2137	
25/04/2094		26/04/2113		26/04/2130		26/04/2137		00/00/0000	
गुरु	13/06/2080	शनि	28/04/2097	बुध	23/09/2115	केतु	23/09/2130	शुक्र	26/08/2140
शनि	25/12/2082	बुध	06/01/2100	केतु	19/09/2116	शुक्र	23/11/2131	सूर्य	26/08/2141
बुध	01/04/2085	केतु	15/02/2101	शुक्र	21/07/2119	सूर्य	30/03/2132	चंद्र	27/04/2143
केतु	08/03/2086	शुक्र	17/04/2104	सूर्य	26/05/2120	चंद्र	29/10/2132	मंगल	26/06/2144
शुक्र	06/11/2088	सूर्य	30/03/2105	चंद्र	26/10/2121	मंगल	27/03/2133	राहु	20/07/2145
सूर्य	25/08/2089	चंद्र	29/10/2106	मंगल	23/10/2122	राहु	14/04/2134		00/00/0000
चंद्र	25/12/2090	मंगल	08/12/2107	राहु	11/05/2125	गुरु	21/03/2135		00/00/0000
मंगल	01/12/2091	राहु	14/10/2110	गुरु	17/08/2127	शनि	29/04/2136		00/00/0000
राहु	25/04/2094	गुरु	26/04/2113	शनि	26/04/2130	बुध	26/04/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 9 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।